मेरी बिगड़ी किस्मत बन जाए घुमे जो थारी मोरछड़ी

मेरी बिगड़ी किस्मत बन जाए,

दोहा – विपदा उसका क्या बिगाड़ेगी,
जिसका श्याम सहारा,
रे भक्त क्यों घबराता है,
जो ना दे कोई साथ तुम्हारा।

मेरी बिगड़ी किस्मत बन जाए,
घुमे जो थारी मोरछड़ी,
भक्तो के संकट टल जाए,
घुमे जो थारी मोरछड़ी।bd।

[तर्ज – सब मंगलमय कर देते है।]

कोई बैठा है रोगी,
और किसी के पैसो की तंगी,
किसी के आ गई है तेजी,
और किसी के आ गई है मंदी,
बच्चो की गूंजे किलकारी,
लहराए ये जो मोरछड़ी,
भक्तो के संकट टल जाए,
घुमे जो थारी मोरछड़ी।bd।

नीला घोड़ा और मोरछड़ी,
लेकर के सांवरिया सभा में आ,
थारे भक्त उडिके आज तने,
आ कर के सांवरिया दर्श दिखा,
आदि व्याधि सब टल जाए,
भक्तो के संकट टल जाए,
घुमे जो थारी मोरछड़ी।bd।

श्याम तेरी महिमा को,
मैं बिन बुद्धि के क्या गाऊं,
श्याम बहादुर आलूसिंह जी,,
के जैसा ना लिख पाऊं,
सर को झुका के 'अमित' खड़ा,
लहरा दे ये मोरछड़ी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

भक्तो के संकट टल जाए,
घुमे जो थारी मोरछड़ी।bd।

मेरी बिगड़ी किस्मत बन जाए,
घुमे जो थारी मोरछड़ी,
भक्तो के संकट टल जाए,
घुमे जो थारी मोरछड़ी।bd।

स्वर – अमित तिवारी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com